समाज में व्यवस्था

स्वयं में अध्ययन

1. अध्ययन वस्तु:

   a. चाहना - लक्ष्य — सुख, समृद्धि → निरंतरता

   b. करना - कार्यक्रम — सुख = संगीत में, व्यवस्था में जीना

↓

व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. **समाज में व्यवस्था**
4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था

2. अध्ययन विधि

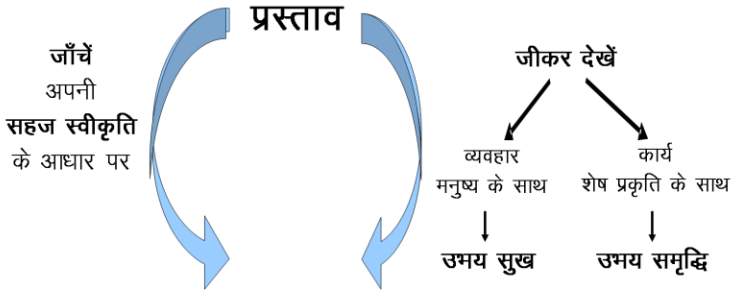

What is Desirable and Where are we today?

Families living together, in a relationship of mutual fulfillment (common goal)

Society

People living together, but not in relationship of mutual fulfillment (differing goals)

Crowd

People living separately, in opposition / struggle (conflicting goals)

Battlefield

We will explore harmony in society – The base of harmony in society is harmony in family for which the base is harmony in human being

Harmony in the Society (समाज में व्यवस्था)

Human Target (मानव लक्ष्य)

1	2	3	4
Resolution समाधान	Prosperity समृद्धि	Fearlessness (Trust) अभय (विश्वास)	Co-Existence सह–अस्तित्व
In Every Individual हर व्यक्ति में	In Every Family हर परिवार में	In Society समाज में	In Nature/ Existence प्रकृति / अस्तित्व में

क्या ये सभी आवश्यक हैं ?

इनसे अन्यथा क्या लक्ष्य है ?

क्या हमारा वर्तमान प्रयास इन चारों को पूरा करने के अर्थ में है ?

वर्तमान स्थिति – क्या हम अपने लक्ष्य पहचान पाये ?

Human Target (मानव लक्ष्य)

समाधान	समृद्धि	अभय (विश्वास)	सह–अस्तित्व
⬇	⬇	⬇	⬇
हर व्यक्ति में	परिवार में	समाज में	प्रकृति / अस्तित्व में

Gross Misunderstanding (आधारभूत भ्रम)

मान्यता (जैसे– पैसा सब कुछ है)	किसी भी तरह से सुविधा संग्रह (असीमित) करना	शोषण, शासन, भय	शोषण, विजय
⬇ ✗	⬇ ✗	⬇ ✗	⬇ ✗
व्यक्ति में	कुछ व्यक्ति में	समाज में	प्रकृति में

Madness for Consumption ✗ Madness for Profit Madness for Sensual Pleasure	भोग उन्माद लाभ उन्माद काम उन्माद	आतंकवाद युद्ध ✗	प्रदूषण संसाधन का अभाव ✗

FAO Report – 11-May-2011

More than 1 billion tons of food lost or wasted every year, UN-backed report finds (11 May 2011**)**

About a third of all the food produced for human consumption each year – or roughly 1.3 billion tons – is lost or wasted, according to a new **study** commissioned by the United Nations Food and Agriculture Organization (**FAO**)

Global Food Production is 6 times requirement
Global Food Wastage is 1/3rd of production
Wastage is enough to feed 1300 crore people/year

Have we understood right utilisation?
Is it a question of production?
Is it a question of relationship?
Is it a question of right understanding?

http://www.un.org/apps/news/story.asp?NewsID=38344&Cr=fao&Cr1

Harmony in the Society (समाज में व्यवस्था)

Human Target (मानव लक्ष्य)

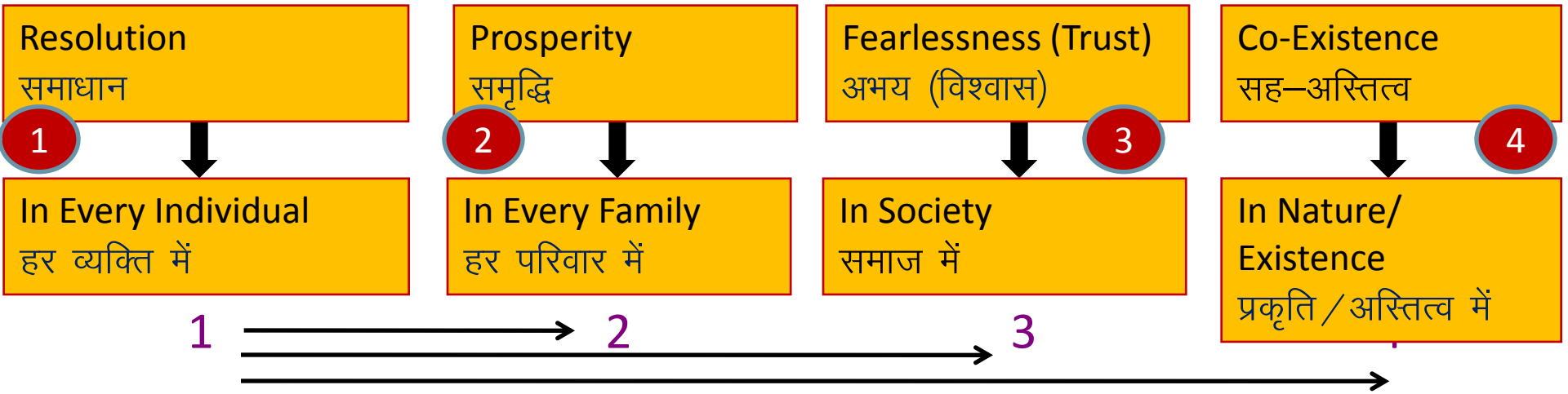

Human Order (मानवीय व्यवस्था)

Five Dimensions (पाँच आयाम)

1. Education – Sanskar - शिक्षा संस्कार
2. Health – Sanyam - स्वास्थ्य संयम
3. Production – Work - उत्पादन कार्य
4. Justice – Suraksha - न्याय सुरक्षा
5. Exchange – Storage - विनिमय कोष

Harmony in the Society (समाज में व्यवस्था)

Human Target (मानव लक्ष्य)

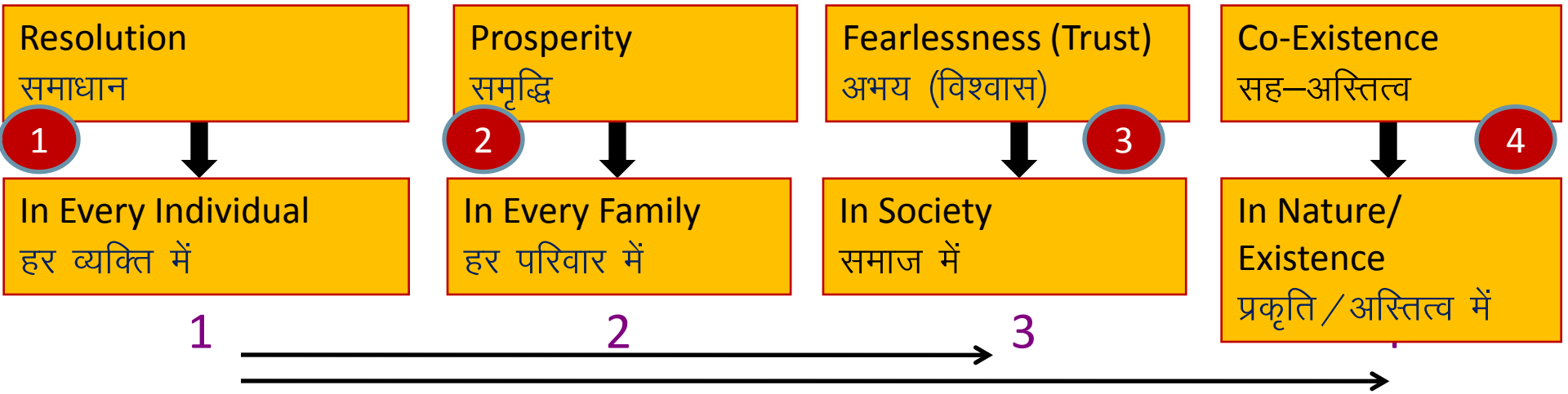

Human Order (मानवीय व्यवस्था)

Five Dimensions (पाँच आयाम)

1. शिक्षा संस्कार 1
2. स्वास्थ्य संयम 2 4
3. उत्पादन कार्य 2 4
4. न्याय 3 सुरक्षा 4
5. विनिमय कोष 2 3

Harmony in the Society (समाज में व्यवस्था)

Human Target (मानव लक्ष्य)

Resolution समाधान	Prosperity समृद्धि	Fearlessness (Trust) अभय (विश्वास)	Co-Existence सह–अस्तित्व
1			
In Every Individual हर व्यक्ति में	In Every Family हर परिवार में	In Society समाज में	In Nature/ Existence प्रकृति/अस्तित्व में

1 → 2 → 3 → 4

Human Order (मानवीय व्यवस्था)

Five Dimensions (पाँच आयाम)

1. शिक्षा संस्कार 1
2. स्वास्थ्य संयम
3. उत्पादन कार्य
4. न्याय –सुरक्षा
5. विनिमय कोष

1a. शिक्षा – सही समझना। स्वयं से ले कर संपूर्ण अस्तित्व की व्यवस्था को समझना।

1b. संस्कार – सही जीना। स्वयं से ले कर संपूर्ण अस्तित्व तक व्यवस्था पूर्वक जीना। सही जीने की निष्ठा/ तैयारी/ अभ्यास। सही हुनर/तकनीकी को विकसित करना।

Self-Discipline, Self-Confidence स्वअनुशासन, आत्मविश्वास

Assuming
मानना

Imitate अनुसरण (0-3)
↓
Follow अनुकरण (3-6)
↓
Obedience/Discipline
आज्ञापालन / अनुशासन (5-9)

Human
Education-sanskar
मानवीय
शिक्षा-संस्कार

Family
परिवार

Relationship
संबंध

School
विद्यालय

Validate
जांच

Right
सही

Wrong
गलत

Domination
शासन

University
विश्व
विद्यालय

Self Discipline (10…)
स्वअनुशासन
Self-confidence
आत्मविश्वास

Knowing
जानना

Selfcenteredness मनमानी
↓
Opposition द्रोह (8-12)
↓
Revolt विद्रोह (13-18)
↓
Struggle संघर्ष (18-30)
↓
War युद्ध (30…)

Society
समाज

मानवीय व्यवस्था

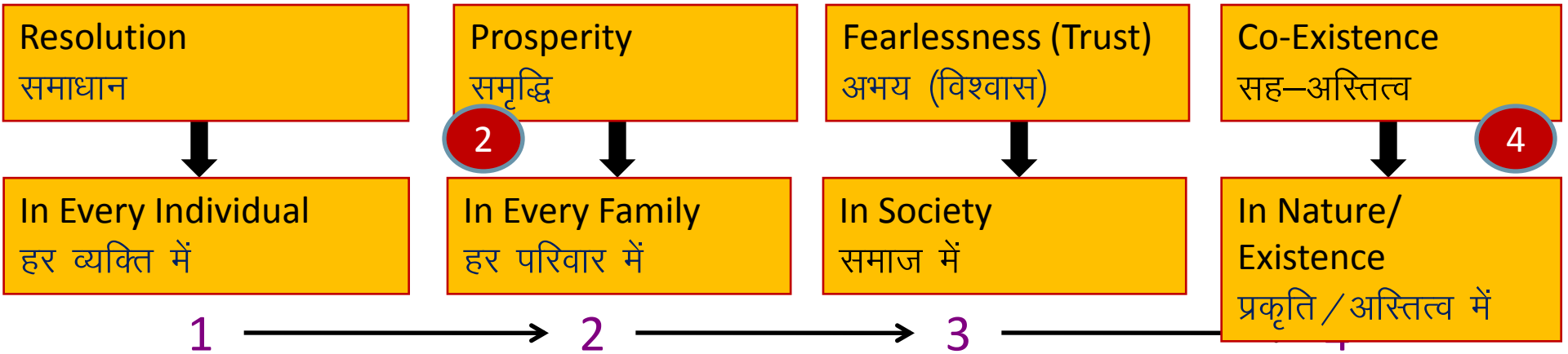

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष

2 4

2b. संयम – मैं में शरीर के पोषण, संरक्षण, सदुपयोग की जिम्मेदारी का भाव

2a. स्वास्थ्य – शरीर मैं के अनुसार कार्य कर पाता है। शरीर के अंग–प्रत्यंग में सामंजस्य (व्यवस्था)

⟶ आवश्यक सुविधा की पहचान

स्वास्थ्य के लिए कार्यक्रम

संयम का भाव – मै में

शरीर के पोषण, संरक्षण, सदुपयोग के प्रति जिम्मेदारी का भाव

⬇

स्वास्थ्य – शरीर में

1. शरीर मैं के अनुसार कार्य कर पाता है
2. शरीर के अंग–प्रत्यंग में व्यवस्था बनी रहती है

स्वास्थ्य के लिए कार्यक्रम –

1a. आहार (Intake)	1b. विहार (Routine)
2a. श्रम (Labour)	2b. व्यायाम (Exercise)
3a. आसन (Asan)	3b. प्राणायाम (Breathing)
4a. औषधि (Medicine)	4b. चिकित्सा (Treatment)

मानवीय व्यवस्था

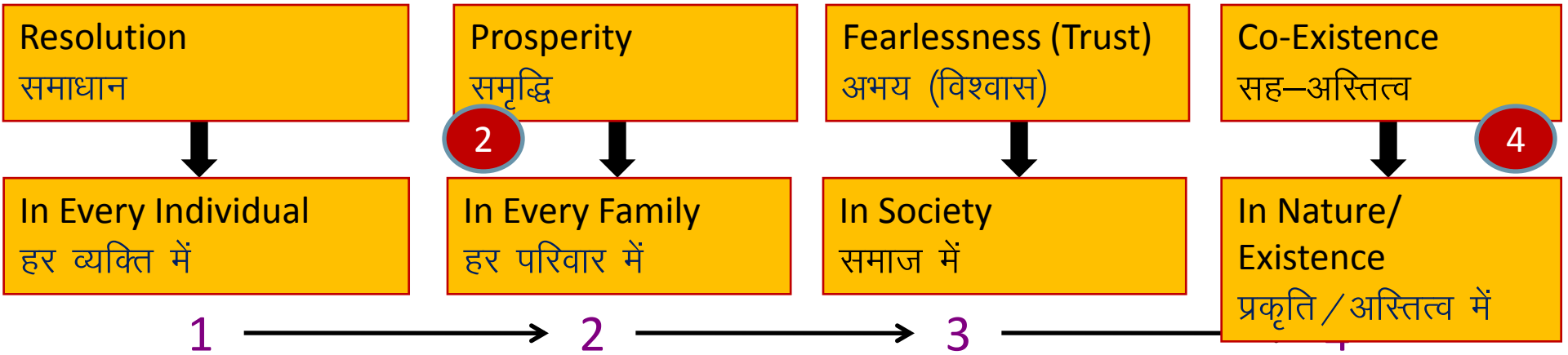

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष

2 4

3b. कार्य – मानव द्वारा शेष प्रकृति पर किया गया श्रम

3a. उत्पादन – कार्य से प्राप्त वस्तु

मानवीय व्यवस्था

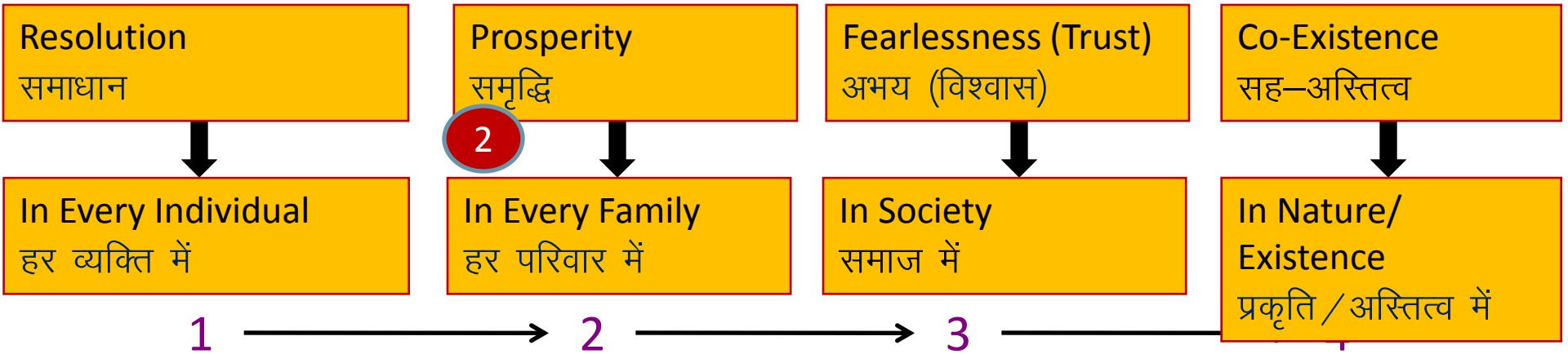

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष

2

1. क्या?

शरीर के पोषण, संरक्षण, सदुपयोग के लिए आवश्यक सुविधा

2. कैसे ?

- आवर्तनशील विधि से (Eco-Friendly)
- न्यायपूर्ण विधि से (People-Friendly)

आवर्तनशील विधि

1. चक्रीय क्रम
2. हर इकाई समृद्ध होती है

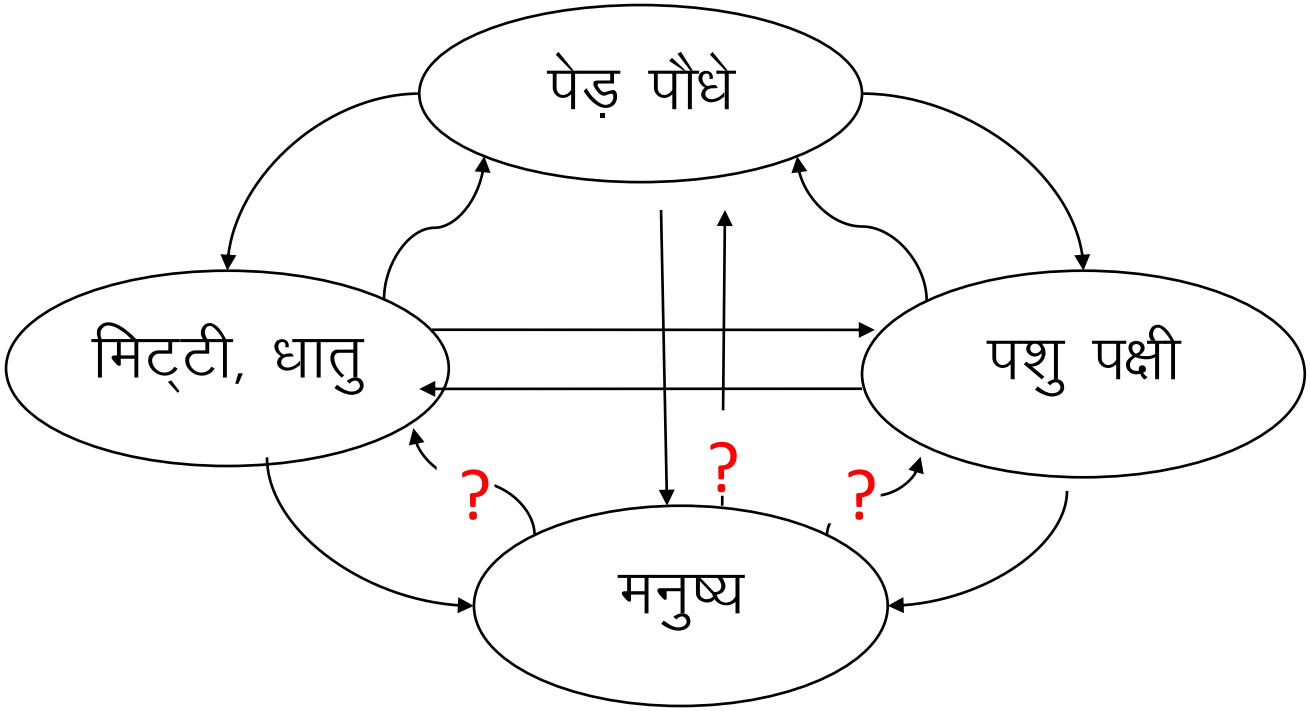

आवर्तनशील विधि

1. चक्रीय क्रम
2. हर इकाई समृद्ध होती है

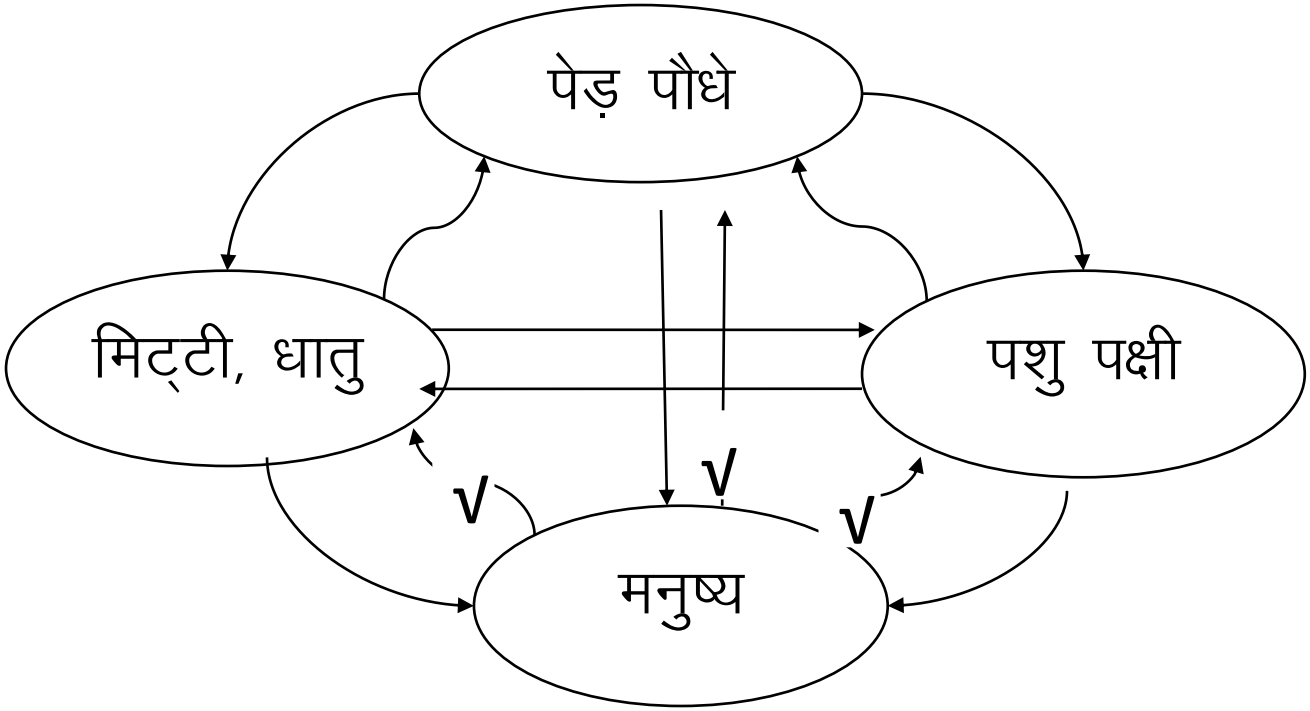

संसाधन अभाव, प्रदूषण Resource Depletion & Pollution

Resource Depletion – The resource is used at a rate which is faster than the rate at which it is produced in Nature

संसाधन अभाव – उत्पादन में प्रयुक्त संसाधन की गति, उसके प्रकृति में पैदा होने की गति से ज्यादा है

Pollution – The product is such that

1. It does not return to the cycle in Nature or
2. It is produced at a rate that is faster than the rate at which it can return to the cycle in Nature

प्रदूषण – उत्पादन ऐसा है कि

1. उत्पादित वस्तु चक्र में वापस नहीं आती या
2. उसकी गति प्राकृतिक चक्र में वापस जाने की गति ज्यादा है

Localise स्थानीय	Globalise सार्वभौमिक
Physical Facility (Intake, Clothes, House…)	Right Understanding & Right Feeling Mindset – of living in a relationship of mutual fulfillment, globally
सुविधा (आहार, कपड़ा, आवास...)	सही समझ, सही भाव (ज्ञान, समाधान)
Needs of the Body	Needs of the Self (I)
शरीर की आवश्यकताएं	मैं की आवश्यकताएं

मानवीय व्यवस्था

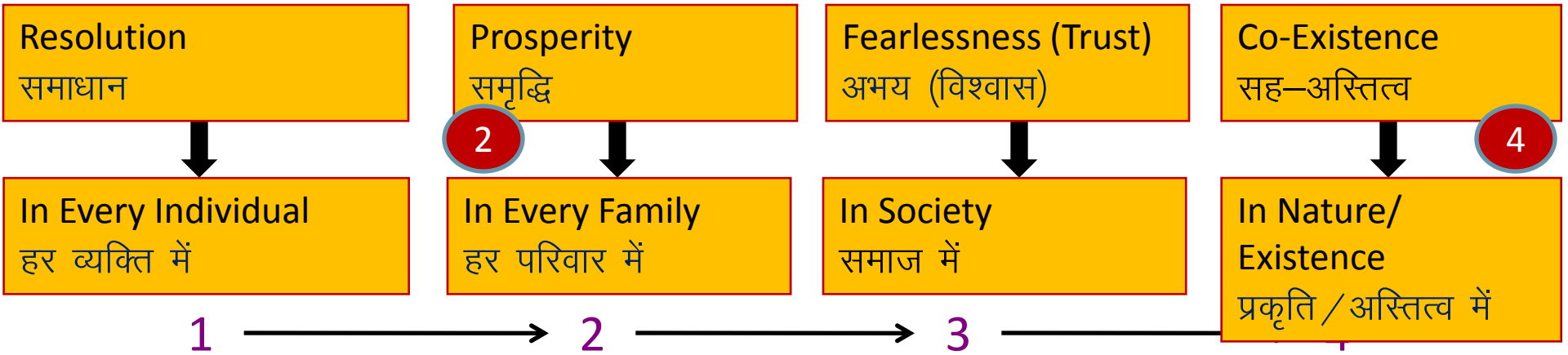

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष

2 4

3b. कार्य – मानव द्वारा शेष प्रकृति पर किया गया श्रम

3a. उत्पादन – कार्य से प्राप्त वस्तु

मानवीय व्यवस्था

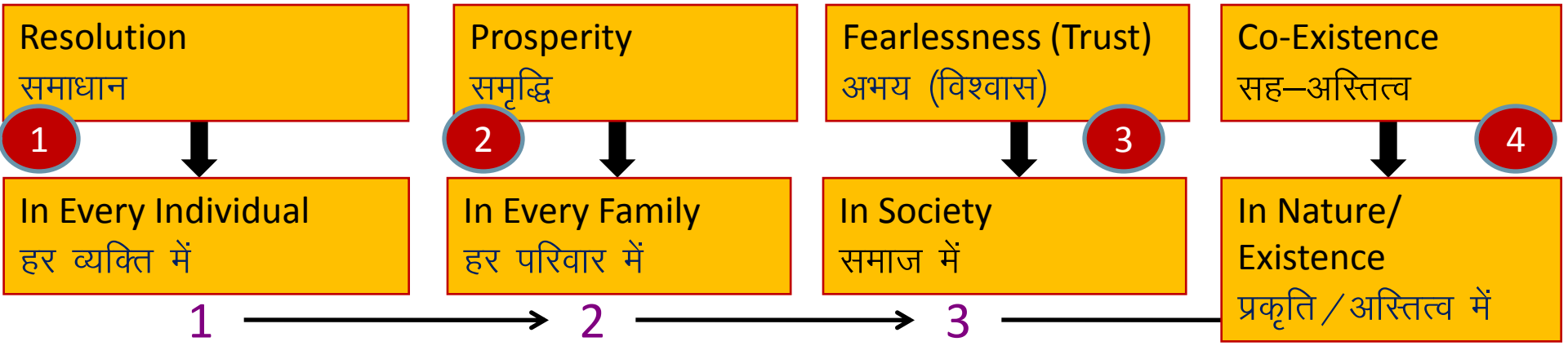

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय 3 - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष

4a. न्याय – मानव–मानव संबंध की पहचान, निर्वाह, मूल्यांकन, उभय सुख

परिवार में व्यवस्था न्याय - परिवार से विश्व परिवार तक (अखण्ड समाज)

1. संबंध है ही – मैं का, मैं से। स्वयं में ऐसा स्पष्ट होना, स्वीकृति बने रहना।
2. संबंध में भाव हैं – मैं में, मैं के प्रति
3. इन भावों को पहचाना जा सकता है निश्चित हैं (9 भाव)। स्वयं में भाव स्पष्ट होना, बने रहना।
4. इनके निर्वाह, मूल्यांकन से उभय सुख है । दूसरे के व्यव्हार से अप्रभावित, स्वयं जिम्मेदारी पूर्वक निर्वाह, मूल्यांकन करते ही रहना ।

भाव (मूल्य):

1. विश्वास → (आधार मूल्य)
2. सम्मान
3. स्नेह
4. ममता
5. वात्सल्य
6. श्रद्धा
7. गौरव
8. कृतज्ञता
9. प्रेम → (पूर्ण मूल्य)

न्याय – मानव–मानव संबंध की पहचान, निर्वाह, मूल्यांकन, उभय सुख–
परिवार से विश्व परिवार तक (अखण्ड समाज)

मानवीय व्यवस्था

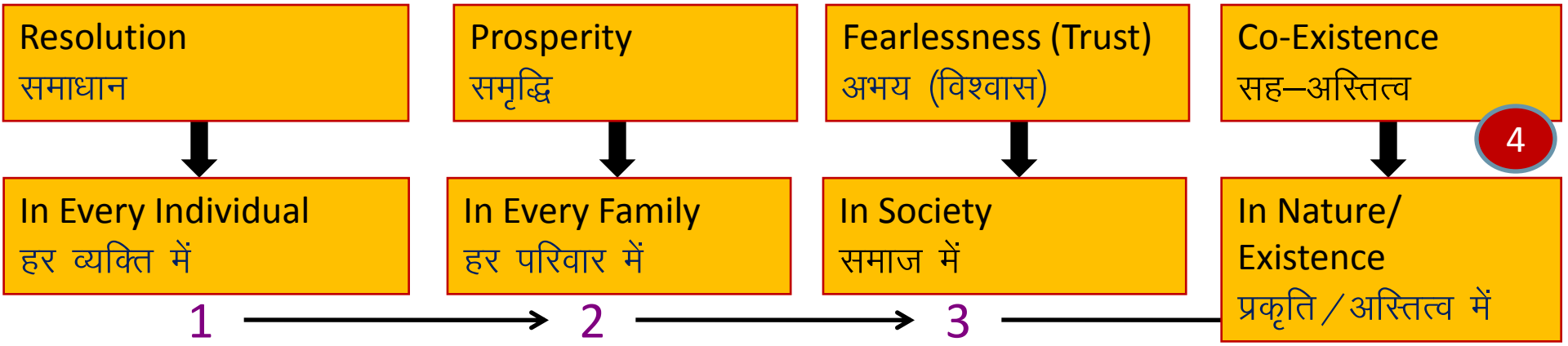

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा 4
5. विनिमय - कोष

4b. सुरक्षा – मानव–शेष प्रकृति संबंध की पहचान, निर्वाह, मूल्यांकन, उभय समृद्धि

1. मानव में समृद्धि
2. प्रकृति का संवर्धन, संरक्षण, सदुपयोग

समृद्धि

समृद्धि– **आवश्यक सुविधा** से **अधिक की उपलब्धि/ उत्पादन** का भाव

1 2

1– **आवश्यक सुविधा** का निर्धारण – समझ से

2– **अधिक की उपलब्धि/उत्पादन** (भौतिक–रासायनिक वस्तु का) – हुनर से

समृद्ध व्यक्ति सदुपयोग, दूसरे का पोषण करने की सोचता है

दरिद्र व्यक्ति संग्रह, दूसरे का शोषण करने की सोचता है

सुविधा – किस अर्थ में ?

With Right Understanding

Purposefulness – Transformation

Right Utilisation – Relationship, Order

Utilisation – Family

Use – Body

Without Right Understanding

Indulgence – Taste

Over Indulgence

Madness for Indulgence – Sensual Pleasure

ज्ञानपूर्वक

प्रयोजनीयता – जीवन जागृति

सदुपयोग – संबंध, व्यवस्था

उपयोग – परिवार

उपभोग – शरीर

अज्ञानतावश

भोग – इंद्रिय सुख

बहुभोग

अतिभोग (भोग उन्माद)

मानवीय व्यवस्था

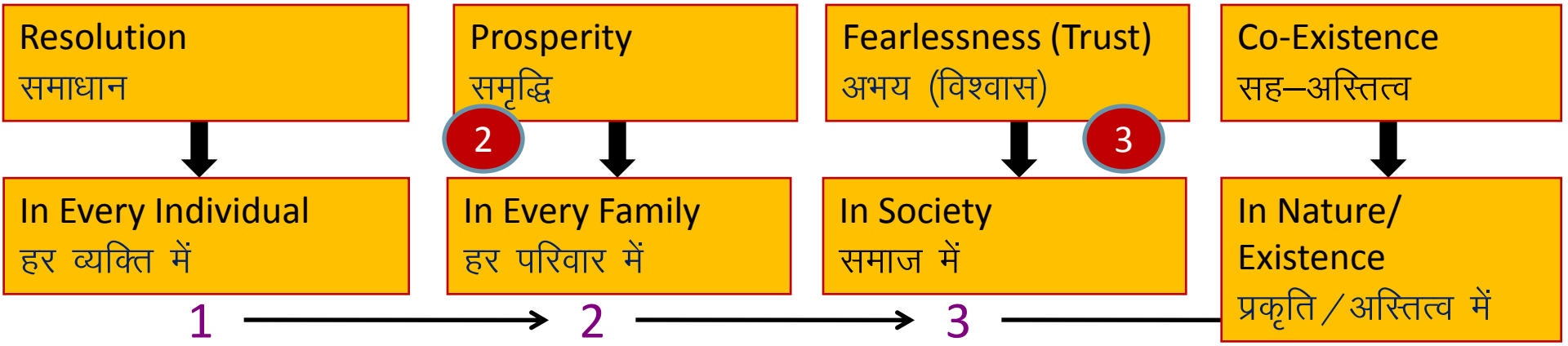

मानवीय व्यवस्था

पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष 2 3

5a. विनिमय – परस्परपूरकता के अर्थ में वस्तु का आदान–प्रदान
(शोषण, लाभ उन्माद के अर्थ में नहीं)

5b. कोष – आवश्यकता पूर्ति से शेष वस्तु का संचय परस्परपूरकता के अर्थ में
(संग्रह, लाभ उन्माद के अर्थ में नहीं)

Harmony in the Society (समाज में व्यवस्था)

Human Target (मानव लक्ष्य)

Resolution समाधान (1)	Prosperity समृद्धि (2)	Fearlessness (Trust) अभय (विश्वास) (3)	Co-Existence सह–अस्तित्व (4)
↓	↓	↓	↓
In Every Individual हर व्यक्ति में	In Every Family हर परिवार में	In Society समाज में	In Nature/ Existence प्रकृति/अस्तित्व में

1 → 2

1 → 3

1 → 4

Human Order (मानवीय व्यवस्था)

Five Dimensions (पाँच आयाम)

1. शिक्षा संस्कार (1)
2. स्वास्थ्य संयम } (2) (4)
3. उत्पादन कार्य } (2) (4)
4. न्याय (3) सुरक्षा (4)
5. विनिमय कोष (2) (3)

समाज में व्यवस्था: परिवार व्यवस्था से विश्व परिवार तक – सार्वभौम व्यवस्था

मानव लक्ष्य

Resolution समाधान	Prosperity समृद्धि	Fearlessness (Trust) अभय (विश्वास)	Co-Existence सह–अस्तित्व
1	2	3	4
In Every Individual हर व्यक्ति में	In Every Family हर परिवार में	In Society समाज में	In Nature/ Existence प्रकृति / अस्तित्व में

मानवीय व्यवस्था – पाँच आयाम

1. शिक्षा - संस्कार
2. स्वास्थ्य - संयम
3. उत्पादन - कार्य
4. न्याय - सुरक्षा
5. विनिमय - कोष

दस सोपान

परिवार – परिवार समूह – ग्राम – ग्राम समूह –राष्ट्र – – विश्व परिवार

व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था

$\sim 10^1$ $\sim 10^2$ $\sim 10^{10}$

मनुष्य और समाज का गत्यात्मक संबंध

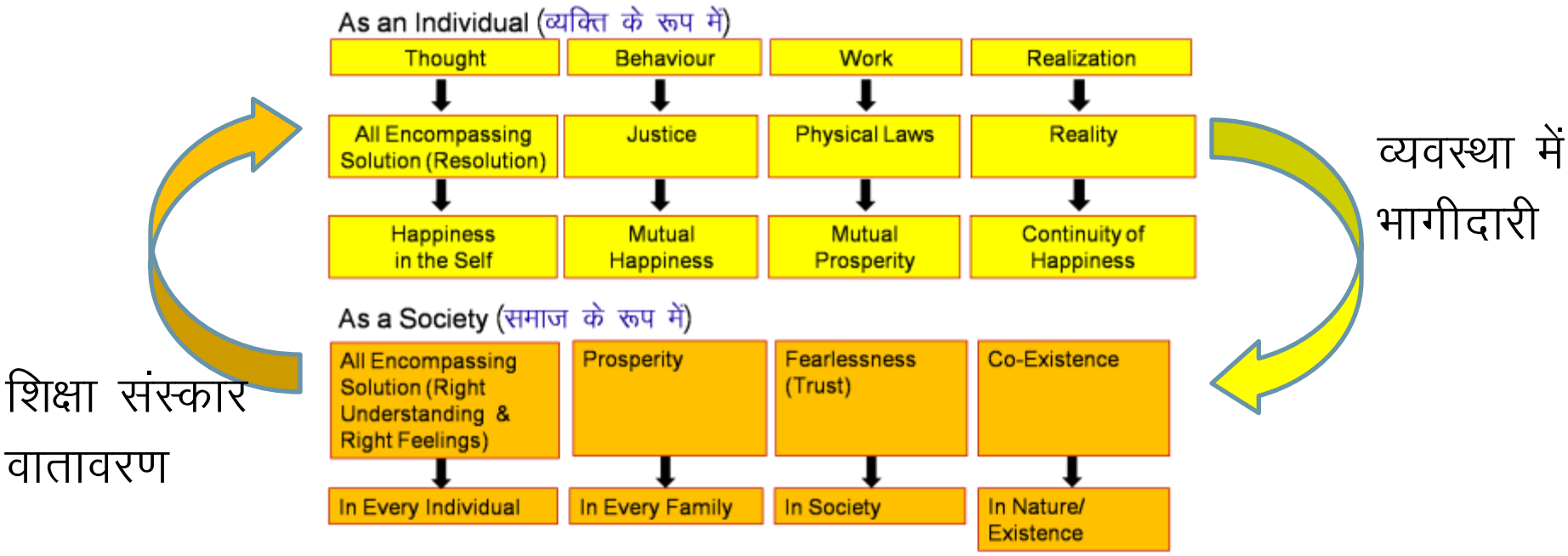

हम वर्तमान में 'व्यक्ति के रूप में लक्ष्य' को पूरा करने के लिए प्रयास कर रहे हैं या सिर्फ समाज लक्ष्य के पूरा होने की आशा कर रहे हैं।

इन दोनों ही लक्ष्य को साथ–साथ पूरा करने की जरूरत है।

एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप के बदले समाधान को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

समाज में व्यवस्था –श्रेष्ठता के लिए कियाकलाप

Human Target (मानव लक्ष्य)

.—स्वयं में जाँच–परख, समाधान, सजगता

.–हुनर तकनीकी सीखना

.–योग्यता का विकास

.– स्व अध्ययन

⬇

समाधान (सही समझ एवं भाव)
–जीने के हर स्तर पर

.–परिवार की सुविधा की आवश्यकता की पहचान

.आवश्यकता से अधिक उत्पादन की सुनिश्चितता

.–शिक्षा–संस्कार

.–परिवार–बैठक

⬇

समृद्धि
आवश्यकता से अधिक की उपलब्धि का भाव

.–न्याय

.मानव–मानव संबंध में

.–व्यवस्था में भागीदारी

.कम से कम 5 में से किसी एक स्तर पर

.–व्यवस्था–बैठक

⬇

अभय (विश्वास)
–दूसरा मेरे सुख,समृद्धि के अर्थ में है, इस बात की स्पष्टता एवं आश्वस्ति

.सुविधा का सदुपयोग

संरक्षण, संवर्द्धन

⬇

सहअस्तित्व
–अस्तित्व सहअस्तित्वपूर्वक है, इस बात की स्पष्टता एवं आश्वस्ति

मान्यता/भ्रम–शासन के लिए क्रियाकलाप

संवेदना एवं दूसरे पर शासन

कामोन्माद,
भोगोन्माद,
लाभोन्माद

↓

विरोध, दीनता, हीनता, क्रूरता

असीमित सुविधा/धन की इच्छा

शोषण पूर्वक सुविधा/धन संग्रह

मान्यता का पीढ़ी दर पीढ़ी आरोपण

↓

दरिद्रता– आवश्यकता से कम सुविधा/धन होने का भाव

दूसरे परिवार/समाज से अपेक्षा –शोषण, शासन, भ्रम –स्वयं को दूसरों से सुरक्षित करने का प्रयास

↓

भय (दूसरे मनुष्य से)
अमानवीय व्यवस्था

संवेदना एवं शासन हेतु सुविधा का प्रयोग गैरजिम्मेदारीपूर्वक सुविधा का दुरूपयोग –प्रकृति पर विजय

↓

संसाधन अभाव प्रदूषण

Harmony in Society – Universal Human Order

Human Target (मानव लक्ष्य**)**

Resolution समाधान	Prosperity समृद्धि	Fearlessness (Trust) अभय (विश्वास)	Co-Existence सह–अस्तित्व
1	2	3	4
In Every Individual हर व्यक्ति में	In Every Family हर परिवार में	In Society समाज में	In Nature/ Existence प्रकृति / अस्तित्व में

Five Dimensions of Human Order (मानवीय व्यवस्था – पाँच आयाम)

1. Education – Sanskar - शिक्षा संस्कार
2. Health – Sanyam - स्वास्थ्य संयम
3. Production – Work - उत्पादन कार्य
4. Justice – Suraksha - न्याय सुरक्षा
5. Exchange – Storage - विनिमय कोष

दस सोपान

परिवार – परिवार समूह – ग्राम – ग्राम समूह –राष्ट्र – – विश्व परिवार

~10^1 ~10^2 ~10^{10}

संक्षेप

समाज में व्यवस्था – ऐसा समाज जिसमें मानव लक्ष्य की पूर्ति होती हो

- परिवार व्यवस्था से विश्व परिवार व्यवस्था तक
- पीढ़ी दर पीढ़ी

आगे, प्रकृति/अस्तित्व का अध्ययन करेंगे

अभी तक अपनी सहज स्वीकार्यता का, स्वत्व का अध्ययन किया है ।

संगीत में, व्यवस्था में जीना सहज स्वीकार्य होता है – व्यक्ति के स्तर पर, परिवार के स्तर पर, समाज के स्तर पर...

क्या मानव की चाहना प्रकृति/अस्तित्व सहज है भी कि नहीं ?

क्या संगीत में, व्यवस्था में जीना संभव भी है – व्यक्ति के स्तर पर, परिवार के स्तर पर, समाज के स्तर पर... ?

जैसा जीना सहज स्वीकार्य होता है, क्या प्रकृति/अस्तित्व में वैसा जीने का प्रावधन है ?

इन प्रश्नों के साथ प्रकृति/अस्तित्व का अध्ययन करेंगे...